International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
e-ISSN :2581-9925, Impact Factor (Cosmos: 7.555 & I2OR: 5.105), Volume 08, No. 01(I), January - March, 2026, pp. 71-75

महिलाओं का राजनीतिक समाजीकरण और राजनीतिक सहभागिता

Annu Sharma[1*] | Dr. Karunakar Singh[2]

[1]PhD Scholar, Department of Sociology, University of Rajasthan, Jaipur.
[2]Assistant Professor, Department of Sociology, University of Rajasthan, Jaipur.

[*]Corresponding Author: babulalsharma4801@gmail.com

Citation: Sharma, A. & Singh, K. (2026). महिलाओं का राजनीतिक समाजीकरण और राजनीतिक सहभागिता. International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science, 08(01(I)), 71–75. https://doi.org/10.62823/IJEMMASSS/8.1(I).8612

सार

राजनीतिक समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति राजनीतिक व्यवस्था, राजनीतिक मूल्यों और राजनीतिक व्यवहार को सीखता है। यह प्रक्रिया व्यक्ति को राजनीतिक संस्कृति से जोड़ती है और उसे लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती है। महिलाओं के संदर्भ में राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सीमित रही है। यह शोध–पत्र महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया, उसे प्रभावित करने वाले कारकों तथा महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता के स्वरूप का अध्ययन करता है। अध्ययन में जैविक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारकों के साथ–साथ परिवार, विद्यालय और शिक्षा जैसे सामाजिक अभिकरणों की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। इस शोध में द्वितीयक स्रोतों जैसे पुस्तकों, शोध–पत्रों और जर्नल लेखों का उपयोग किया गया है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और बदलती सामाजिक संरचनाएँ महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं की सक्रिय राजनीतिक भागीदारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक समावेशी और सशक्त बनाती है।

शब्दकोश: *राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक सहभागिता, मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक कारक, शिक्षा।*

प्रस्तावना

राजनीतिक समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति राजनीतिक व्यवस्था, राजनीतिक मूल्यों और राजनीतिक व्यवहार को सीखता है। यह प्रक्रिया व्यक्ति को राजनीतिक संस्कृति से जोड़ती है तथा उसे राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जागरूक बनाती है। समाज में विभिन्न संस्थाएँ जैसे परिवार, विद्यालय, मीडिया और साथियों का समूह व्यक्ति के राजनीतिक समाजीकरण को प्रभावित करते हैं।

महिलाओं के संदर्भ में राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया पुरुषों से कुछ भिन्न होती है। सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक मान्यताओं और लैंगिक भूमिकाओं के कारण महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी अक्सर सीमित देखी जाती है। विश्व के अधिकांश समाजों में महिलाओं को लंबे समय तक घरेलू भूमिकाओं तक सीमित रखा गया, जिसके कारण वे राजनीतिक गतिविधियों से अपेक्षाकृत दूर रहीं।

* *Copyright © 2026 by Author's and Licensed by Inspira. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution License which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work properly cited.*

राजनीतिक समाजीकरण केवल राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के राजनीतिक दृष्टिकोण, विचारधारा और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया में सामाजिक, सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और जैविक कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन कारकों के कारण महिलाओं का राजनीतिक व्यवहार, राजनीतिक दृष्टिकोण और राजनीतिक भागीदारी पुरुषों की तुलना में अलग रूप में विकसित होती है।

अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

- महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण की अवधारणा को समझना।
- महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का विश्लेषण करना।
- परिवार, विद्यालय और शिक्षा संस्थानों की भूमिका का अध्ययन करना जो महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण को प्रभावित करते हैं।
- महिलाओं के राजनीतिक व्यवहार और राजनीतिक अभिविन्यास का विश्लेषण करना।
- महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता में आने वाली सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं का अध्ययन करना।
- शिक्षा के माध्यम से महिलाओं की राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता में होने वाले परिवर्तनों का विश्लेषण करना।

शोध पद्धति

इस शोध–अध्ययन में मुख्य रूप से वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक शोध पद्धति का उपयोग किया गया है।

- **शोध की प्रकृति**

यह अध्ययन गुणात्मक प्रकृति का है जिसमें महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया तथा उससे संबंधित सामाजिक–सांस्कृतिक कारकों का विश्लेषण किया गया है।

- **डेटा के स्रोत**

इस अध्ययन के लिए आवश्यक जानकारी मुख्य रूप से द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त की गई है। इनमें शामिल हैं–

पुस्तकें, शोध–पत्र, अकादमिक जर्नल, प्रकाशित शोध–प्रबंध, इंटरनेट स्रोत

अध्ययन की विधि उपलब्ध साहित्य का विश्लेषण करके विभिन्न विद्वानों के विचारों का अध्ययन किया गया है। इन विचारों के आधार पर महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण और राजनीतिक सहभागिता की प्रक्रिया को समझने का प्रयास किया गया है।

महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण को प्रभावित करने वाले कारक

- **जैविक कारक**

कुछ विद्वानों का मानना है कि महिलाओं और पुरुषों के राजनीतिक व्यवहार में अंतर का एक कारण जैविक भी हो सकता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया कि लड़कों की तुलना में लड़कियाँ राजनीतिक गतिविधियों में कम रुचि दिखाती हैं। उदाहरण के लिए, स्पाइरो (1958) के अध्ययन में यह पाया गया कि इसराइल के किबुत्ज़ समुदाय में लड़कों को लड़कियों की अपेक्षा अधिक राजनीतिक जानकारी और राजनीतिक सक्रियता प्राप्त थी।

हालाँकि, केवल जैविक कारक ही महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को निर्धारित नहीं करते, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। इसलिए महिलाओं की राजनीतिक निष्क्रियता को केवल जैविक कारणों से नहीं समझा जा सकता है।

- **मनोवैज्ञानिक कारक**

मनोवैज्ञानिक कारक भी महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बचपन से ही लड़कों और लड़कियों को अलग–अलग सामाजिक भूमिकाओं के लिए तैयार किया जाता है। लड़कों को नेतृत्व, साहस और प्रतिस्पर्धा जैसी विशेषताओं के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि लड़कियों को विनम्रता, सहयोग और पारिवारिक जिम्मेदारियों की ओर उन्मुख किया जाता है।

इस प्रकार की सामाजिक परवरिश के कारण महिलाओं में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और नेतृत्व की प्रवृत्ति अपेक्षाकृत कम विकसित होती है। कई अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि महिलाएँ अक्सर परिवार के पुरुष सदस्यों के राजनीतिक विचारों से प्रभावित होती हैं। कई बार मतदान के समय भी महिलाएँ अपने पति या पिता की राजनीतिक पसंद को ही अपनाती हैं।

इस प्रकार मनोवैज्ञानिक दृष्टि से महिलाओं का राजनीतिक समाजीकरण ऐसी परिस्थितियों में होता है जो उन्हें राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने से हतोत्साहित करता है।

- **सांस्कृतिक कारक**

सांस्कृतिक परंपराएँ और सामाजिक मान्यताएँ महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को गहराई से प्रभावित करती हैं। कई समाजों में यह धारणा प्रचलित रही है कि राजनीति पुरुषों का क्षेत्र है, जबकि महिलाओं का मुख्य कार्य परिवार और बच्चों की देखभाल करना है।

रॉबर्ट लेन (1959) के अनुसार, सांस्कृतिक मान्यताएँ महिलाओं को नैतिक, निर्भर और राजनीतिक रूप से कम सक्षम के रूप में प्रस्तुत करती हैं, जिसके कारण उनकी राजनीतिक सक्रियता सीमित हो जाती है।

भारतीय समाज में भी लंबे समय तक महिलाओं को पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखा गया। विवाह, मातृत्व और घरेलू जिम्मेदारियों के कारण महिलाओं को सार्वजनिक जीवन और राजनीति में सक्रिय भागीदारी के अवसर कम मिले।

राजनीतिक समाजीकरण के प्रमुख अभिकरण

- **परिवार**

परिवार राजनीतिक समाजीकरण का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। परिवार के माध्यम से बच्चे सामाजिक और राजनीतिक मूल्यों को सीखते हैं। हाइमन (1959) के अनुसार, परिवार राजनीतिक समाजीकरण का सबसे प्रमुख अभिकरण है।

परिवार में माता–पिता के विचार, राजनीतिक चर्चाएँ और पारिवारिक वातावरण बच्चों के राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं। लड़कियाँ अक्सर अपने माता–पिता के विचारों से अधिक प्रभावित होती हैं और कई बार वे परिवार के पुरुष सदस्यों के राजनीतिक निर्णयों का अनुसरण करती हैं।

यदि परिवार में राजनीतिक चर्चा का वातावरण हो और महिलाएँ भी उसमें भाग लें, तो लड़कियों में राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता की संभावना अधिक होती है।

- **विद्यालय**

विद्यालय भी राजनीतिक समाजीकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। विद्यालय में बच्चों को राजनीतिक व्यवस्था, लोकतंत्र, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी जाती है।

विद्यालय के पाठ्यक्रम, शिक्षक और सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ छात्रों के राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रभावित करती हैं। हालांकि कई अध्ययनों में यह पाया गया है कि विद्यालयों में भी लैंगिक भेदभाव की धारणाएँ मौजूद रहती हैं, जिसके कारण लड़कियाँ राजनीति से कम जुड़ पाती हैं

- **कॉलेज और उच्च शिक्षा**

कॉलेज और विश्वविद्यालय भी राजनीतिक समाजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र राजनीतिक मुद्दों के प्रति अधिक जागरूक होते हैं और राजनीतिक चर्चाओं में अधिक सक्रिय भाग लेते हैं।

हालाँकि कई बार लड़कियाँ कॉलेज शिक्षा को केवल सामाजिक प्रतिष्ठा या विवाह की संभावनाओं को बढ़ाने के साधन के रूप में देखती हैं। इस कारण उनका राजनीतिक समाजीकरण अपेक्षाकृत कम विकसित हो पाता है।

महिलाओं का राजनीतिक व्यवहार

- **राजनीतिक अभिविन्यास**

राजनीतिक अभिविन्यास से तात्पर्य व्यक्ति के राजनीतिक ज्ञान, भावनाओं और मूल्यांकन से है। अलमंड और वर्बा (1963) के अनुसार, राजनीतिक अभिविन्यास के तीन प्रमुख घटक होते हैं–

  - संज्ञानात्मक अभिविन्यास (ज्ञान)
  - भावनात्मक अभिविन्यास (भावनाएँ)
  - मूल्यात्मक अभिविन्यास (निर्णय)

महिलाओं के राजनीतिक अभिविन्यास में अक्सर यह देखा गया है कि वे राजनीतिक मुद्दों की अपेक्षा उम्मीदवार के व्यक्तित्व पर अधिक ध्यान देती हैं। इसके अलावा महिलाएँ सामाजिक सुरक्षा, शांति और सामाजिक कल्याण से संबंधित मुद्दों को अधिक महत्व देती हैं।

- **राजनीतिक सहभागिता**

राजनीतिक सहभागिता का अर्थ है राजनीति से संबंधित गतिविधियों में नागरिकों की भागीदारी। इसमें मतदान करना, राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेना, चुनाव लड़ना और राजनीतिक दलों की गतिविधियों में शामिल होना शामिल है।

लैस्टर मिलब्राथ (1965) ने राजनीतिक सहभागिता को तीन स्तरों में विभाजित किया है–

  - ग्लैडिएटोरियल सहभागितादृ चुनाव लड़ना या पार्टी पद संभालना।
  - ट्रांजिशनल सहभागिता दृ राजनीतिक बैठकों में भाग लेना या नेताओं से संपर्क करना।
  - स्पेक्टेटोरियल सहभागिता दृ मतदान करना या राजनीतिक चर्चा करना।

अधिकांश समाजों में महिलाएँ मुख्यतः स्पेक्टेटोरियल स्तर की राजनीतिक सहभागिता तक सीमित रहती हैं।

राजनीति में महिलाओं की भूमिका

- **उम्मीदवार के रूप में**

राजनीतिक चुनाव लड़ना महिलाओं के लिए अभी भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। आर्थिक संसाधनों की कमी, राजनीतिक संपर्कों की कमी और सामाजिक प्रतिबंधों के कारण बहुत कम महिलाएँ चुनाव लड़ पाती हैं।

राजनीतिक दल भी कई बार महिला उम्मीदवारों को टिकट देने में संकोच करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि मतदाता उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे।

- **प्रतिनिधि के रूप में**

जब महिलाएँ राजनीतिक पदों पर पहुँचती हैं तो वे अक्सर सामाजिक कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य और बाल विकास जैसे मुद्दों पर अधिक ध्यान देती हैं।

हालाँकि कई अध्ययन बताते हैं कि कई बार महिलाएँ राजनीति में अपने व्यक्तिगत प्रयासों से नहीं बल्कि अपने परिवार के राजनीतिक प्रभाव के कारण प्रवेश करती हैं।

महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण में शिक्षा की भूमिका

शिक्षा महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा व्यक्ति को राजनीतिक जानकारी प्रदान करती है और उसे अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाती है।

नी और वर्बा (1975) के अनुसार, शिक्षित व्यक्ति राजनीति में अधिक रुचि रखते हैं और उन्हें राजनीतिक प्रभावशीलता की अधिक भावना होती है।

शिक्षा महिलाओं को आत्मविश्वास प्रदान करती है और उन्हें स्वतंत्र रूप से राजनीतिक निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। शिक्षित महिलाएँ राजनीतिक चर्चाओं में अधिक भाग लेती हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भूमिका निभाती हैं।

निष्कर्ष

महिलाओं का राजनीतिक समाजीकरण एक जटिल प्रक्रिया है जो जैविक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारकों से प्रभावित होती है। परिवार, विद्यालय और शिक्षा संस्थाएँ इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

हालाँकि पारंपरिक सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक मान्यताओं के कारण महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी लंबे समय तक सीमित रही है, लेकिन शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के कारण इसमें धीरे–धीरे वृद्धि हो रही है।

आज आवश्यकता है कि महिलाओं को राजनीतिक शिक्षा, समान अवसर और सामाजिक समर्थन प्रदान किया जाए ताकि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभा सकें। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी केवल लैंगिक समानता के लिए ही नहीं बल्कि एक सशक्त और समावेशी लोकतंत्र के लिए भी आवश्यक है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Almond, G. A., & Verba, S. (1963). *The Civic Culture: Political Attitudes and Democracy in Five Nations.* Princeton University Press, pp380.81.
2. Almond, G. A., & Powell, G. B. (1966*). Comparative Politics: A Developmental Approach*. Boston & Toronto, Little Brown and Company pp- 50-54.
3. Dennis, J. (1973). *Socialization to Politics: A reader*. New York, John Wiley and Sons.
4. Duverger, M. (1955). *The Political Role of Women.* UNESCO in Paris, pp.122
5. Greenstein, F. I. (1969). *Children and Politics*. New Haven and London,Y ale University Press 106-107.
6. Hyman, H. H. (1959). *Political Socialization*. Free Press.
7. Lane, R. E. (1959). *Political Life*. Free Press of glencoe, Inc.p-215.
8. Lipset, S. M. (1960). *Political Man: The Social Bases of Politics*. New York, boubleday and company, Inc., P203-216.
9. Milbrath, L. (1965). *Political Participation*. Chicago, Rand McNally Publishing.
10. Mehta, U. (1962). *Women and Elections*. Indian Journal of Political Science, vol. 23, no,1/4, pp-371-379
11. Mehta, U.(1962) Op.cit.pp-373.

❑❑❑